



NICF NEWSLETTER

REPUBLIC DAY EDITION: JAN BHAGIDARI

• JANUARY 2023 EDITION •

NATIONAL INSTITUTE OF COMMUNICATION FINANCE, NEW DELHI



NICF



सत्यमेव जयते



On the occasion of the 74th Republic Day celebrations, NICF felicitated Master Heyansh Kumar @mountaineagle01 ,the youngest mountaineer to reach base camp of Mt. Everest. Also, the trainees of NICF presented various patriotic and cultural performances

FOREWORD

We at NICF, are happy to release the january edition of NICF newsletter. The NICF monthly newsletter is divided into two segment. One segment deals with the various activities and events at NICF. This segment gives complete monthly information of NICF in capsuled format. The other segment of newsletter gives officer trainees complete freedom to express themselves. This newsletter also portrays insights into experiences of Officer Trainees in the institute and on job trainings in addition to the various activities/initiatives of the institute.

The month of January involved a plethora of activities ranging from rigorous classroom training, OJT for various officers, Nagpur & Indore experiences of many Officer Trainees . NICF, under the able guidance of its respected Director General Sh. Srikanta Panda Sir has aimed to expose the Officers to a holistic experience of professional life ranging from academics to various extra-curricular activities.

We, the editorial team of Probationers of 2020 and 2021 batch have worked to make this a newsletter not just as an update on training activities but also as a platform for offering our insights on issues critical to the society at large. Officer Trainees have attempted to shed some light on the wide ranging issues that are currently in the limelight. We hope you spare some thought on these issues. Thank you.

The Editorial Team

TABLE OF CONTENTS

02 SOME GLIMPSES OF JANUARY, 2023

03 NADT

05 COMMON TRAINING OF IP&TAFS AND IPOS

06 MID CAREER TRAINING PROGRAMME

09 WEBINAR

12 NARMADE HAR

21 SARAFI NIGHT MARKET

23 UPSC : A NEW PERSPECTIVE

24 A VISIT TO UDAIPUR

NEWS AT A GLANCE

Some glimpses of January, 2023



INAUGURATION OF NEW ACADEMIC BLOCK
02.01.2023

NEW YEAR IN NADT



NATIONAL ACADEMY OF DIRECT TAXES NAGPUR

**NATIONAL ACADEMY OF DIRECT TAXES
CHHINDWARA ROAD, NAGPUR**

**Training Programme for Officer Trainees of Group 'A' Services of the Country
2nd & 3rd January, 2023**



Duration: 2 days (2nd & 3rd January, 2023)

Date: Services: IP&TAFS, ICAS, IRPS

Core Objective: To promote interactions among different Group 'A' services



NICF



EXPERIENCE AT NADT



**#NADTDays #ACCOUNTSERVICES@NADT
#SameFriends**



COMMON TRAINING OF IP&TAFS AND IPOS



MID CAREER TRAINING PROGRAMME



CAPACITY BUILDING WORKSHOP



SHRI HEMANG JANI, SECRETARY , CAPACITY BUILDING COMMISSION



SHRI HEMANG JANI, SECRETARY , CAPACITY BUILDING COMMISSION



WEBINAR (ETHICS & VALUE IN PUBLIC GOVERNANCE)- 17 PARTICIPANTS

WEBINAR (PERSONAL CLAIM)- 39 PARTICIPANTS

Invitation as Guest Faculty for Wi... Meet - syp-oxnq-ter

meet.google.com/syp-oxnq-ter

G S Krishnan is presenting

A Man is but a product of his thoughts. What he thinks, he becomes"

Mahatma Gandhi

People

Add people

Search for people

In call

pr nrlf (You) Meeting host

Aika

ANJAN BISWAS

Aparesh Biswas

Aparesh Biswas

Ashutosh Verma

bajrang meena

Banoth Raju

Charanjeet Singh Jaswal ...

Dr UDAIKUMAR BISEN

G S Krishnan

G S Krishnan

Sasi Kumar

Venkaresh Kuniseti

Subrahmanyam Garim...

Harsha Asmath

Heena Rajora

Manjusha A

ITI LIMITED, NAINI

Aparash Biswas

20 others

You

12:57 | syp-oxnq-ter

webinar - projectnct1212@gmail.com

Meet - nhw-amrs-tpu

meet.google.com/nhw-amrs-tpu?pli=1&authuser=0

People

Add people

Bhumika Gandhi

CCA Odisha Circle Bhuba...

Dalia Banerjee

DAP BHOPAL

Deepali Gupta

dileep rathore

Director General NICF

Dr UDAIKUMAR BISEN

Dr. Yow Peter Raiphea

Heena Rajora

ITI LIMITED, NAINI

ITI Ltd

korvi vinod kumar

Arjun Kumar Rath

ITI Ltd

Abhishek Singh

Director General NICF

SANTOSH VISHWANATH

Dr UDAIKUMAR BISEN

Chikha Kumar

Priyadarshini R

Raju Kumar

korvi vinod kumar

dileep rathore

Suresh Wadhwa

arwez

DAP BHOPAL

Sandeep Sharma AO (CCA Ja...

SHEKHAR MANDAL

sheolakh choudhary

Dr. Yow Peter Raiphea

Bhumika Gandhi

Amarnath Ojha

Kunal Srivastava

Nimisha K

Vinay Babu

Dalia Banerjee

ushma Negi

Samvedna Singh

Heena Rajora

Shashank Agarwal

5 others

You

01 | nhw-amrs-tpu

"EXPRESSIONS"

WRITE-UPS BY OFFICER TRAINEES



नर्मदे हर
यात्रा वृत्तांत
आशुतोष गुप्ता

दिनांक 21 फरवरी 2023, शनिवार के दिन हम 8 परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली से देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे इंदौर की ओर प्रस्थान किया। श्री ओंकारेश्वर एवं ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग, महेश्वर स्थित अहिल्याघाट, सहस्रधारा जलप्रपात एवं मांडव हमारे गंतव्यों में सम्मिलित थे। अतः हमने इंदौर पहुंचते ही 2 गाड़ियों को 2 दिन के लिए किराए पर ले लिया ताकि सुविधापूर्वक हम सभी स्थानों का कम समय में भ्रमण कर सकें।

रात्रिमें लगभग 8 बजे इंदौर से प्रस्थान के पश्चात् हम सभी 10 बजे बड़वाह पहुंचे जहां हमने जस्सी भैया के प्रसिद्ध एवं स्वादिष्ट दाल पराठे खाकर अपने उदर की ज्वाला को शांत किया। वहां से ओंकारेश्वर पहुंचते पहुंचते हमें अतिरिक्त एक घंटा लग गया एवं हमारे "स्थानीय गाईड" ने हम सभी की ठहरने की उत्तम व्यवस्था करा दी। ओंकारेश्वर की पावन नगरी पर कदम रखते साथ ही हमें आध्यात्मिकता की अनोखी अनुभूति हुई।

मां नर्मदा (जिन्हे मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी भी कहा जाता है) की गोद में बसे ओंकारेश्वर शहर में रात्रि के समय बहुत ही शांत माहौल था।

[मां नर्मदा के श्रद्धालुओं के मुख से पर्यटक प्रायः नर्मदे हर सुन सकते हैं अतः हमारे लिए इसका अर्थ जानना अति आवश्यक है।

नर्मदे हर का गूढ़ अर्थ -

नर्म - आनंद। दा- प्रदान करने वाली।, हर- दूर करो

अर्थात् सभी को जन्म-मृत्यु के चक्र के बंधन से मुक्त कर शाश्वत आनंद प्रदान करने



नर - मनुष्य । मद - घमंड, अहंकार । हर - हरने वाली
अर्थात् माँ नर्मदा सभी मनुष्यों के अहंकार को हरने वाली हैं।
भारत में जो पवित्र नदियां हैं, उनमें से केवल नर्मदाजी की ही परिक्रमा की जाती है ।

अहोमृतं स्वनं श्रुतं महेशकेशजातटे,
किरात-सूत वाडवेषु पंडिते शठे-नटे ।
दुरन्त पाप-तापहारि सर्वजन्तु शर्मदे,
त्वदिय पादपंकजं नमामि देवि नर्मदे ॥॥
(नर्मदाष्टकं श्लोक)

अनुवाद: - अहह! शंकर जी की जटाओं से उत्पन्न रेवा जी के किनारे मैंने अमृत के समान
आनंददायक कलकल शब्द सुना, समस्त जाति के प्राणियों को सुख देनेवाली, हे माँ नर्मदा जी
! किरात (भील) सूत (भाट) बाडव (ब्राह्मण) पंडित (विद्वान) शठ (धूर्त) और नट, इनके
अनंत पाप पुंजों के तापों को हरण करनेवाली, ऐसे आपके चरण कमलों को मैं प्रणाम करता
हूँ ॥८॥]

कल कल बहता जल एवं शीतल हवा ने हमें रोमांचित कर दिया था परंतु हमें प्रातः शीघ्र
उठकर दर्शन भी करने थे अतः हमें जल्दी सोना भी पड़ा । सुबह जल्दी उठकर हममें से कुछ
परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने घाट में जाकर नदी में प्रातः स्नान किया, हालांकि जल काफी
शीतल था परंतु भक्ति एवं आस्था के आगे जल की शीतलता फीकी पड़ गई ।

ओंकारेश्वर एवं ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग

यह ज्योतिर्लिंग द्वादश ज्योतिर्लिंगों में चतुर्थ स्थान पर आता है ।

सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकाल मोंकारं ममलेश्वरम् ॥१॥

परल्यां वैजनाथं च डाकियन्यां भीमशंकरम्।
सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने ॥२॥

वारणस्यां तु विश्वेशं त्र्यम्बकं गौतमी तटे।

हिमालये तु केदारं ध्रुष्णेशं च शिवालये ॥3॥

एतानि ज्योतिर्लिंगानि सायं प्रातः पठेन्नरः।
सप्तजन्मकृतं पापं स्मरेण विनश्यति ॥4॥

ऐसी मान्यता कि राजा मांधाता ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की स्थापना करवाई थी, तत्पश्चात् बहुत से महापुरुष जैसे आदि शंकराचार्य, देवी अहिल्याबाई होल्कर इत्यादि ने इस ज्योतिर्लिंग के निर्माण एवं जीर्णोधार में अपना-अपना योगदान दिया है।

ओम (ॐ) आकार के द्वीप में स्थित होने के कारण इनका नाम ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पड़ा है। प्रतिदिन यहां सहस्रों श्रद्धालु आकार पवित्र ज्योतिर्लिंग में जलार्पण करके भगवान से मनोकामनाएं मांगते हैं। श्रावण मास में कांवड़िए भी यहां से पवित्र नर्मदा जल लेकर उज्जयिनी स्थित महाकालेश्वर में महाकाल जलाभिषेक करते हैं।

पवित्र ज्योतिर्लिंग की सजावट देखकर एवं निकट से ज्योतिर्लिंग के दर्शन करके हम सभी मंत्रमुग्ध हो गए। तत्पश्चात् सभी ने उचित समय पर भगवान की पूजा अर्चना करके मंदिर परिसर से प्रस्थान किया।



ओंकारेश्वर झूला पुल से नर्मदा नदी के ऊपर सूर्योदय एवं ओंकारेश्वर बांध का मनोरम दृश्य



श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का श्रृंगार दर्शन



संकल्प लेते हुए परिवीक्षाधीन अधिकारी



हमें एक ही दिन में ओंकारेश्वर, महेश्वर एवं मांडव का भ्रमण करना था अतः हमने अपना सामान बांधकर महेश्वर के लिए प्रस्थान किया ।

महेश्वर (महिष्मति)

महेश्वर का इतिहास काफी प्राचीन है । किवदंतियों के अनुसार कहा जाता है कि महेश्वर हैहय क्षत्रियों की राजधानी हुआ करती थी एवं यहीं पर उनके राजा सहस्त्रार्जुन निवास करते थे, जिन्होंने रावण को बंदी बनाया था ।

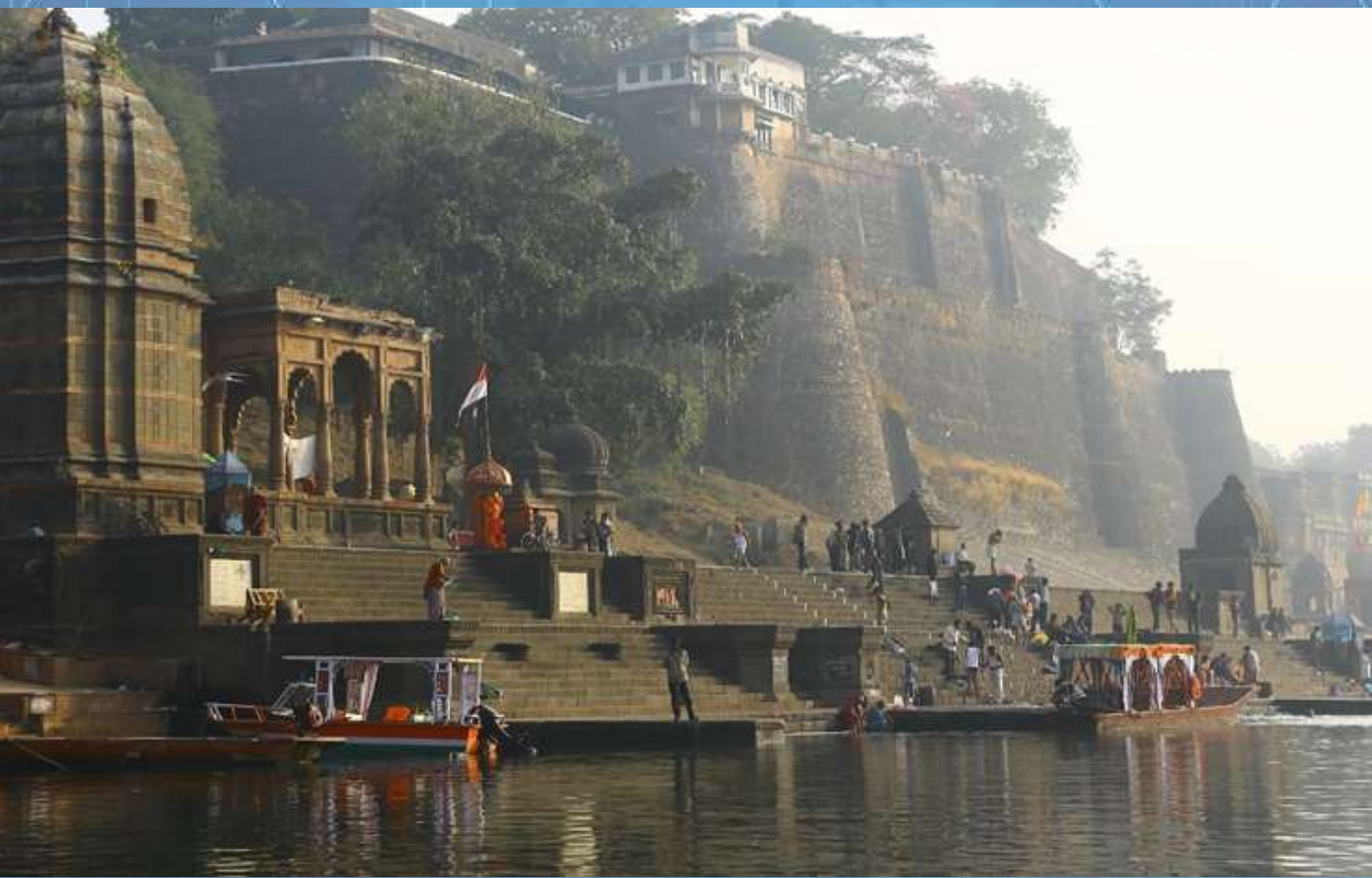
ऐसी मान्यता है कि अपनी रानियों के साथ जल क्रीड़ा करते हुए राजा सहस्त्रार्जुन ने नर्मदा नदी का प्रवाह अपनी सहस्र भुजाओं से रोक दिया था जिसके फलस्वरूप यहां सहस्रधारा नामक जलप्रपात की स्थापना हुई ।

कालांतर में इसी स्थान पर आदि शंकराचार्य एवं पंडित मण्डन मिश्र का शास्त्रार्थ हुआ था । यह शहर देवी अहिल्याबाई की राजधानी भी रहा है एवं देवी अहिल्याबाई के तत्कालीन "गुड गवर्नेस" का प्रतीक भी है कि कैसे महारानी ने अपने नागरिकों के विकास के लिए बहुत से उद्यम जिनमें माहेश्वरी साड़ी का निर्माण चालू करवाना, तीर्थस्थलों का निर्माण करवाना, धर्मशालाएं बनवाना, घाट बनवाना इत्यादि सम्मिलित हैं । देवी अहिल्याबाई होल्कर के कालखंड में बनाए गए यहाँ के घाट सुंदर हैं और इनका प्रतिबिंब नदी में और खूबसूरत दिखाई देता है।

"देवी अहिल्या" के कुशल शासनकाल और उन्ही के कार्यकाल (1764-1795) में हैदराबादी बुनकरों द्वारा बनाना शुरू की गयी "महेश्वरी साड़ी" को आज देश-विदेश में जाना जा रहा हैं। यहाँ खत्री, मोमिन व बलाई बुनकरों द्वारा सुंदर बुनाई कार्य पारंपरिक करघे पर किया जाता है।

महेश्वर का वर्णन स्कंध पुराण, रेवा खंड, वायु पुराण, महाभारत, रामायण इत्यादि ग्रंथों में किया गया है ।

वर्ष २०२३ में आयोजित खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन भी महेश्वर में किया गया है ।



मांडव शहर भी एक प्राचीन शहरों में से एक है जो मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित है । यह मालवा के पठार के पश्चिमी छोर पर स्थित है एवं सामरिक दृष्टि से राजाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है ।

मांडव का संबंध 11वीं सदी के तरंगा राज्य एवं परमार वंश से भी रहा है । मांडव जो की धार जिले में स्थित है, धार राजा भोज की राजधानी हुआ करती थी ।

तालनपुर (मांडव से 100 कि मी) से प्राप्त एक शिलालेख के अनुसार मांडू/मांडव का नाम मंडप दुर्ग था । प्राकृत अपभ्रंश में मंडप को मांडू कहा गया है जिसका अर्थ है विशाल कक्ष या मंदिर । शिलालेख के अनुसार मांडव छठीं शताब्दी में एक उन्नत शहर था । चौदहवीं शताब्दी में मांडव पर अलाऊद्दीन खिलजी का कब्ज़ा हो गया और उसने परमार राजाओं को मांडव से निष्कासित कर दिया था ।

कालांतर में अफ़गान शासकों ने यहां अनेक विशालकाय स्मारकों जैसे जामा मस्जिद, होशंग शाह का मक़बरा, जहाज़ महल, रूपमती महल, हिंडोला महल, दाई की महल बनवाकर इस शहर को अप्रतिम सौंदर्य दिया ।

रूपमती मालवा के अंतिम स्वाधीन अफगान सुलतान बाजबहादुर की प्रेयसी थी। जब अकबर के सेनानायक आदम खाँ के नेतृत्व में मुगल सेनाएँ मालवा पर चढ़ आई और सारंगपुर के पास तक जा पहुँची तभी उन्हें उनका पता लगा। अंत में सन् 1561 ई. में सारंगपुर के युद्ध में पराजित होकर बाजबहादुर को भागना पड़ा। तब रूपमती आदम खाँ की बन्दिनी बनी।

उसके रूप और संगीत से मुग्ध आदम खाँ ने जब रूपमती को अपनी प्रेयसी बनाना चाहा तब रूपमती ने विष खाकर बाजबहादुर के नाम पर जान दे दी और अपनी प्रेमकहानी को अमर कर दिया। रानी रूपमती एवं बाज बहादुर की प्रेमकथा भी इस क्षेत्र में लोकगीतों में गई जाती है ।



जहाज महल, मांडव

हिंडोला महल



रूपमती महल



THE SARAFI NIGHT MARKET : FOOD PARADISE

Sarafa Market in Indore is a food lover's paradise. This market, located in the heart of the city, is famous for its delectable street food that has been tantalizing taste buds for generations. The market comes alive after sunset, and its narrow lanes are transformed into a bustling hub of food vendors, tourists, and locals who come to indulge in the delicious food offerings. The first thing that greets visitors to Sarafa Market is the overwhelming aroma of freshly cooked food. The market has a wide range of food options, from traditional Indian dishes to modern fusion cuisine. The most popular dishes in Sarafa Market include poha, jalebi, samosas, chaat, bhel puri, dahi vada, kulfi, and gulab jamun.

One of the most famous dishes in Sarafa Market is the garadu, a snack made from deep-fried yam that is served with a variety of chutneys. The garadu is a must-try for anyone visiting Sarafa Market. Another popular dish is the sabudana khichdi, which is made from sago pearls and spiced with green chilies and peanuts.

One of the best ways to experience the food in Sarafa Market is to take a food tour. These tours take visitors on a culinary journey through the narrow lanes of the market, where they can sample a variety of dishes and learn about their history and origins. The tours are conducted by knowledgeable guides who can provide insight into the local food culture.

Despite the delicious food, hygiene is not always up to the mark in Sarafa Market. However, this does not deter food lovers, who continue to flock to the market in large numbers. Visitors should be prepared to stand in long queues and jostle for space with other food enthusiasts. But the experience of sampling the delicious food and immersing oneself in the vibrant atmosphere of the market makes it all worthwhile.

In conclusion, Sarafa Market in Indore is a food lover's paradise that offers an unforgettable culinary experience. The market's wide range of food options, its vibrant atmosphere, and the history behind its dishes make it a must-visit destination for anyone visiting Indore. Despite its shortcomings, the market's delicious food and unique charm continue to attract visitors from all over the world.

By Dhawalendu
IP&TAFS 2021 OT



**A journey new...a fresh brew..
The battle won..the victory true..
I kept on moving towards my pole star..
My career, my ambition..the one that pulled me so far..**

**UPSC is unattainable, they murmured..
UPSC is beyond you, they judged..
But I kept on running, my body bruised..
But I kept on running, my brain queued..
But I kept on fighting, when life hit hard..
But I kept on writing, when my thoughts were barbed..**

**And one fine day my name was inked..
"IP&TAFS", it said on the list..
From Ghitorni to Faridabad, I got a new life..
From a student to an OT, I discovered a new side..
I learn and grow, I am still and I flow..
I am the chaos and the calm, I am the river and the dam..
The nuances of finance that I'm being taught..
The bed rock of technology to which the world shall flock..**

**I look into the future with hopeful, starry eyes..
I move towards my pole star- my call and my light!**

**TARUNI PANDEY
IP&TAFS 2022**

VISIT TO UDAIPUR

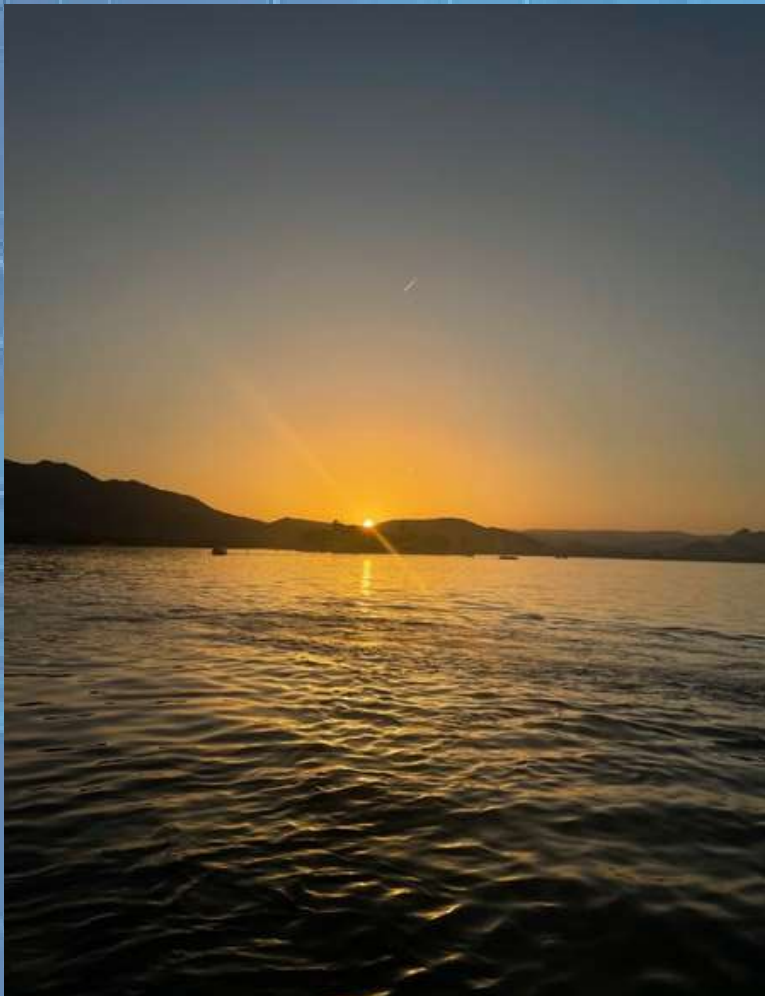
BY ASHUTOSH SATI
IP&TAFS 2021 OT

Recently I got the opportunity to visit udaipur. Udaipur is one of the most popular tourist destination place situated at the southwest rajasthan bordering Gujrat . it attracts large number of domestic and foreign tourists. the city has many things to offer including historic fort ,city palace ,majestic lake view rich Rajasthani cultural heritage .

ABOUT THE CITY

Udaipur city was founded in 1568 by maharana udai singh II . it was the capital of mewar ,ruled by ranawats of Sisodia clan .before this the capital was Chittorgarh however after the capture of chittor by akbar udai singh moved his capital to Udaipur .

the city is basically located along the big lakes likes udaisagar lake , lake pichola etc and surrounded by aravali ranges from all the four sides



maharana udai singh II significantly distended the gorgeous lake pichola as a defence measure when he founded Udaipur cradeled amongst hills ,gardens, havalis , temples and ghats , lake pichola is the picturesque spotlight of Udaipur . the lake sports two island palaces jagmandir and lake palace .

jagmandir was built by maharana karan singh in 1622AD and was intended to be a pleasure palace for royal parties and functions . it has served as a reluge for Mughal emperor Shahjahan when he was a prince

lake palace is situated on the jagniwas island in the middle of the lake pichola . the island is an acre and half in size and was built by maharana jagat singh II in 1754. it used to be a pleasure palace for the royal family in summers and has now been turned into heritage hotel.

we enjoyed a boat ride at lake pichola during sunset. it was indeed a mesmerizing view of lake during that time .

BHAWAI FOLK DANCE



later in the evening we went to famous city palace to experience the rich art and craft culture of rajasthan . one of the performane was bhawai folk dance of southwest rajasthan along with state dance ghumar , katputli , and mor dance .

Bhavai is one of the traditional folk dances of Rajasthan. This is a very difficult form of dance and can only be performed by skilled artists. This dance basically involves women dancers balancing 8 to 9 pitchers on their heads and dancing simultaneously. This nail biting , suspenseful dance, the well skilled dancers balance a number of earthen pots or brass picthers and then sway with the soles of their feet perched on the top of a glass and also sometime on the edge of a naked sword or on the rim or a brass thali (plate) during the performance.

"निकलेंगे जब यहाँ से ,
कुछ अनमोल यादों को लिए ।
सुनहरी एहसासों की गठरी संग ,
कुछ रिश्ते हृदय में लिए ।

होगा पूरा जहाँ सबको घेरे ,
कायनात की असीम ऊर्जा को समेटे ।
पर NICF दुनिया दूर होगी ,
रोजमर्रा की जिंदगी पुरवत होगी ,

तब ये यादें बहुत सताएंगी ,
बिताये क्षणों की याद बहुत आएंगी ।

आदर्शों की मिसाल बनकर ,
ऑफिस रणभूमि में ज्ञान है संवारा ।
असिंचित , अकृषित भू पर ,
कौशल , कुशलता का बीज अंकुरण है किया ।

नित नवीन प्रेरक आयामों की कड़ी में ,
हर क्षण भव्यता को है सजाया ।
संचित प्रकाश पुंज का आधार बन ,
कर्तव्य पथ पर आरोहित है बनाया ।

कल की भोर निज गृह होगी ,
NICF की पुनीत धरा ओझल होगी ।
हृदय के मूल पिरोह में कसक सताएंगी ,
आप सभी श्रीमन्तों की बहुत याद आएंगी ।

वो सुन्दर कक्षा कक्ष का दृश्य ,
पढाई एवं निद्रा का था परिदृश्य ।
फैकल्टी के व्यवहारिक अनुभवों का ज्ञान ,
तल्लनीता से होता था अमृत पान ।

हॉस्टल से कक्षा को आना जाना ,
वो घड़ी की सुइयों को निहारते जाना ।
कल से वो कक्षा नहीं होगी ,
सहपाठियों की बस्ती फिर से नहीं होगी ।

यह सुखद पलों की बहुत याद आएंगी ,
ताजा होगी जब यादे, आँखे जरूर नम हो जाएंगी ।

कल से मिलेगा घर का साथ ,
समय हुआ पूरा , कोई नहीं होगा पास ।
फुर्सत में कभी कभी कैटीन की याद आएंगी ,
पुराने दिन याद कर ,

होठों पर मुस्कराहट जरूर आएगी ।

विभिन्न प्रांतों के मिले सहपाठी ,
खिले फूल दोस्ती के, जैसे दीया और बाती ।
हरेक क्षण रहा दिल के पास ,
जब यारों संग रहा हर पल खास ।

वो शिमला ट्रिप की मनमोहक छवि ,
बखान करने में , असहज ही ये कवि ।
वो गणतंत्र दिवस की तैयारी करना ,
स्किट के किरदारों को संजोये रखना ।

पिता पुत्र , पुत्री , प्रिंसिपल ,
मकान मालकिन और रामु काका ,
इन किरदारों ने हृदय में डाला डाका ।
अजीज दोस्तों का मिलना होता है संयोग ,
पाया मेने यहाँ 3 इंडियट जैसे दोस्तों का योग ।

सभी को मेने अपना माना ,
हरेक में व्यक्तित्व को पहचाना ।
सोचता हूँ , यह मण्डली कल नहीं होगी ,
दोस्तों से मुलाकात दुर्लभ होगी ।

सोच यह आत्मा झकझोर जाएगी ,
महाकाल साक्षी है ,
आप सब की बहुत याद आएगी ।

स्वरचित- नीरज कुमार सोनी
Asst. Accounts Officer
PAO Jaipur, Rajasthan
(AAO Induction Trg. Batch-18th)

जय श्री महाकाल 🙏



PATRON

SHRI SRIKANTA PANDA, DG

ADVISOR

SHRI MANISH KUMAR
GUPTA, DIRECTOR

EDITOR

SHRI KUNAL SRIVASTAVA,
DY. DIRECTOR
SHRI AMARNATH OJHA,
DY. DIRECTOR

EDITORIAL TEAM

ASHUTOSH SATI
RAVIJA
ASHUTOSH GUPTA
ABHILASH PASAM
SHIVANI SHARMA

E-mail- nicf.moc@gov.in

Website: www.nicf.gov.in

Disclaimer: The views expressed in the newsletter are personal and do not reflect the official position.

© NICF